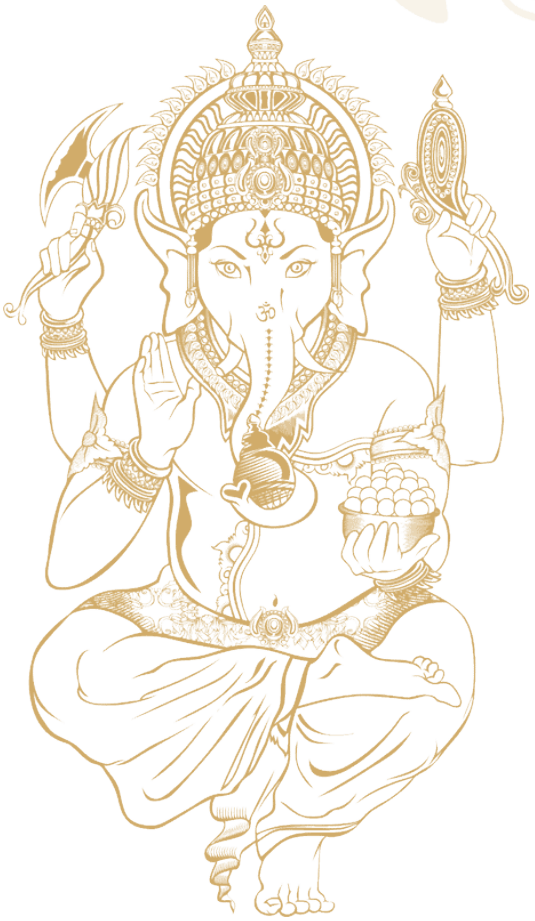

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121687802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	19/03/1995
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	19:20:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	31:57:41 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Jaipur Rly Station
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	06:32:55
18:35:28	सूर्यास्त	18:37:01
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि		22:47:35	धनु	लग्न	कन्या	15:04:58	राहु 16वर्ष 2मा 21दि	
चन्द्र		01:02:05	मीन	सूर्य	मीन	04:41:59	गुरु	
04/02/2017		16:04:14	सिंह	चंद्र	तुला	07:58:52	10/06/2011	
05/02/2027		19:51:39	कर्क व	मंगल व	कर्क	19:32:11	10/06/2027	
चन्द्र	06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	कुंभ	13:06:56	गुरु	28/07/2013
मंगल	07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	21:19:44	शनि	08/02/2016
राहु	06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र	मक	25:53:43	बुध	16/05/2018
गुरु	07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि	कुंभ	22:52:13	केतु	22/04/2019
शनि	06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु व	तुला	12:12:17	शुक्र	21/12/2021
बुध	06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	मेष	12:12:17	सूर्य	09/10/2022
केतु	06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष	मक	05:47:17	चन्द्र	08/02/2024
शुक्र	06/08/2026	01:15:20	मक	नेप	मक	01:20:09	मंगल	14/01/2025
सूर्य	05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:44:36	राहु	10/06/2027

लग्न-चलित

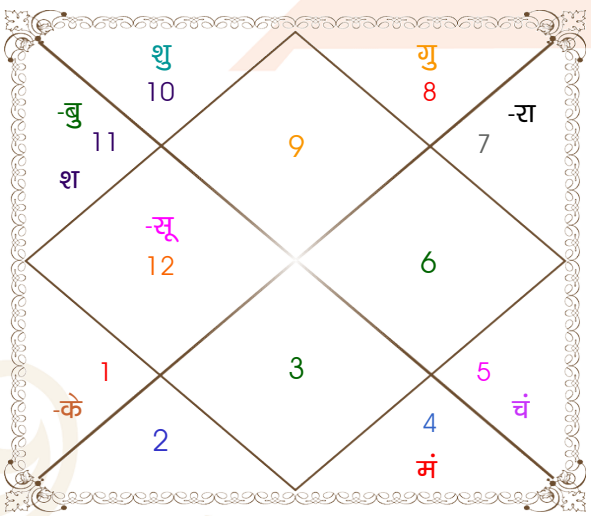

लग्न-चलित

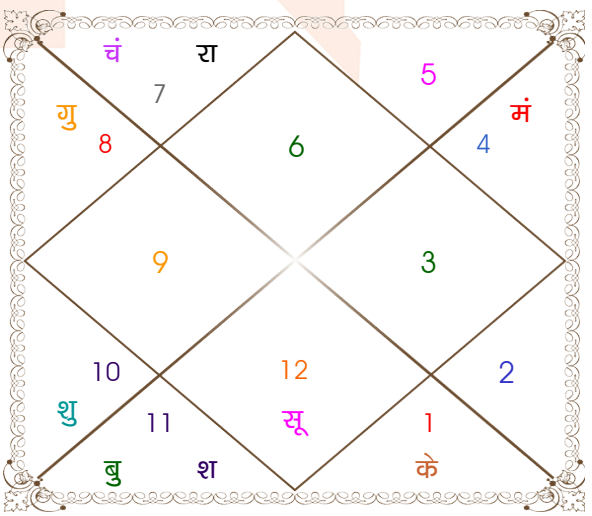

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग मृग हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि B कि कुण्डली में षष्B भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।